

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

- Options shown in green color and with ✓ icon are correct.
- Options shown in red color and with ✗ icon are incorrect.

Question Paper Name:	INSCRIPT 22nd Dec S2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2018-12-23 13:11:16
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	Yes
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	20129852
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	201298112
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Id: 201298112
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 2012981177 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

जीवन में भगवान सबको समान अवसर देते हैं। कुछ लोग इन अवसरों की गंभीरता समझते हुए इन अवसरों का लाभ उठाते हैं। पर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो हमेशा भगवान के भरोसे रहते हैं और बस इंतजार करते रह जाते हैं। एक बार का बात है एक नदी के पास ही एक शहर था जहां पर सभी लोग सुख से जीवन बिता रहे थे।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes

	Actual
Group Number :	2
Group Id :	20129853
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	201298113
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 201298113
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 2012981178 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ ही समय हुआ था की उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी। ये हालात देखते हुए बीरबल ने सोचा कि हालात और बुरे हो जाएं उससे पहले अकबर को शान्त कर दिया जाए जो उन्होंने बादशाह को समझाते हुए कहा- की महाराज, जो होता है अच्छे के लिए ही होता है। अकबर पहले ही काफी दर्द में था। बीरबल की यह बात सुन कर वह और ज्यादा क्रोधित हुआ और बोला-यहां हम इतने दर्द में हैं और तुम बोल रहे हो कि जो होता है अच्छे के लिए होता है। क्या पागल हो गए हो तुम। इसके जवाब में बीरबल ने फिर से अकबर को समझाने की कोशिश की परंतु अकबर और अधिक गुस्सा हो गया और उसने अपने सैनिकों से कहा कि बीरबल को ले जाकर कारागर में डाल दिया जाए और फिर वह शिकार के लिए आगे निकल गया। अब कुछ ही देर बाद एक और हिरण दिखने पर अकबर उसका पीछा करने लगा। वह इतने मगन हो गया की उसे पता ही नहीं लगा कि कब उसके सैनिक पीछे रह गए। तभी अचानक उसे कुछ आदिवासियों ने घेर लिया, और वह अकबर की बलि देने की तैयारी करने लगे। अब अकबर काफी डर गया और उसे समझ नहीं आ रहा था कि कैसे बचो। इतने में एक आदिवासी ने अकबर के हाथ को देखा। उसके हाथ पर घाव देख कर उसने अपने साथियों को बुलाया। सभी आदिवासियों ने आपस में बात की और अंत में अकबर को मुक्त कर दिया क्योंकि घाव लगने से अकबर अशुद्ध हो गया था। ऐसा होने पर अकबर बहुत खुश हुआ और वापस अपने सैनिकों के पास चला गया। राह में उसने सोचा कि अगर यह घाव न होता तो निश्चय ही आज उसकी मौत हो जाती। इसी बात से उसे याद आया कि बीरबल सही था, परंतु मैंने उसे कारागर में डालकर अच्छा नहीं किया। अब अकबर को बहुत बुरा लग रहा था। उसने अपने सैनिकों को कहा की जल्द से जल्द महल पहुंच कर बीरबल को कारागर से मुक्त किया जाए। जैसे ही सब महल पहुंचे उन्होंने बीरबल को कारागर से मुक्त किया। बीरबल के बाहर निकलते ही अकबर ने उन्हें पूरा वाक्या सुनाया और उनसे क्षमा मांगी। उनके क्षमा मांगने पर बीरबल बोले की महाराज जो होता है अच्छे के लिए होता है। अकबर यह बात सुन कर बीरबल से बोले की यदि तुम्हें तो कारागर में डलवा दिया गया फिर भी तुम यही बोल रहे हो। बीरबल बोले की यदि आपने मुझे वापस न भेजा होता तो आपकी जगल मेरी बलि दे दी जाती।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes